भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

राष्ट्रीय सहारा

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 28.03.2019

काशी के धार्मिक व पौराणिक महत्व को नई दिशा देगा आईआईटी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

शहर के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को पूरी दुनिया से रूबरू कराने के लिए आईआईटी (बीएचयू) में देश-विदेश से आए शिक्षाविदों ने संस्थान में चल रहे 'प्रोजेक्ट वाराणसी' और आईआईटी खड़गपुर के 'प्रोजेक्ट संधिएक विज्ञान' के संयुक्त तत्वावधान में संस्थान स्थित गेस्ट हाउस में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें शहर के धार्मिक पर्यटन स्थल, परिवहन और पर्यटन विषय पर गहन मंत्रणा की गई। अगले महीने संस्थान से विशेषज्ञों की टीम यूएसए स्थित जार्जिया विश्वविद्यालय में आयोजित वर्कशाप में शिरकत करेगी, जहां विकसित शहरों का रोल मॉडल तैयार कर वाराणसी में विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

देश-विदेश के विशेषज्ञों ने सात दिवसीय कार्यशाला में व्यक्त किए विचार

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संस्थान स्थित प्रोजेक्ट वाराणसी की मदद से बनाया जाएगा एप

तालाबों को स्वच्छ करने के लिए चल रहा शोध कार्य

संस्थान में चल रहे प्रोजेक्ट वाराणसी के समन्वयक और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आरएस सिंह ने बताया कि आईआईटी, बीएचयू और आईआईटी खड़गपुर के संयुक्त तत्वावधान में अटलांटा, यूएसए के जार्जिया टेक विश्वविद्यालय के सहयोग से वाराणसी शहर का भ्रमण किया गया। उन्होंने बताया कि वाराणसी के पर्यटन को विकसित करने के लिए एक एप और ब्रोशर तैयार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत हेरिटेज वॉक, काशी का महत्व बताते भवन, पुराने वास्तुशिल्प के आधार पर बने भवनों, लुप्त होते पौराणिक मंदिरों का इतिहास, पंचक्रोशी यात्रा, मान महल घाट स्थित वेधशाला की जानकारी नए तरीके से पेश की जाएगी।

सात दिन तक चली कार्यशाला में शहर के तालाबों की सफाई के लिए बैक्टीरिया आधारित शोध कार्य पर चर्चा की गई। इस पर संस्थान में कार्य शुरू हो चुका है। प्रदूषण की बावत चर्चा होने पर विशेषज्ञों ने माना कि शहर में निर्माण कार्य होने और डीजल-पेट्रोल के वाहनों की अधिकता से प्रदूषण स्तर बढ़ता जा रहा है। प्रो. सिंह ने बताया कि अगले महीने 18 से 23 अप्रैल तक यूएसए स्थित जार्जिया विश्वविद्यालय में छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें वाराणसी में किये जाने वाले कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और विशेषज्ञों द्वारा अगले कार्यों की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी। संस्थान में आयोजित कार्यशाला में आईआईटी, बीएचयू से प्रो. आरएस सिंह, डा. अंकित गुप्ता, डा. अमृता द्विवेदी, डा. स्वस्ति मिश्रा और डा. अभिषेक मुल, आईआईटी खड़गपुर से प्रोजेक्ट संधि के समन्वयक प्रो. जॉय सेन, प्रो. भार्गव मैत्रा, डा. एके गोस्वामी, डा. साकेत पॉल और जार्जिया टेक विश्वविद्यालय से प्रो. सुब्रोजित गुहा ठाकुर और प्रो. शिवा कुमार आदि उपस्थित रहे।